



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

26 कार्तिक 1933 (श0)

(सं0 पटना 668) पटना, बृहस्पतिवार, 17 नवम्बर 2011

गृह (विशेष) विभाग

अधिसूचनाएं

22 सितम्बर 2011

एस0ओ0 397, दिनांक 17 नवम्बर 2011—बिहार राज्य के अन्तर्गत निजी सुरक्षा अभिकरण के विनियमन हेतु निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम 2005 (भारत सरकार का अधिनियम 29, 2005) की धारा-25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) यह नियमावली बिहार निजी सुरक्षा अभिकरण नियमावली 2011 कहलाएगी।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषा :—जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो इन नियमों में :

(क) अधिनियम से अभिप्रेत है निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम-2005;

(ख) “अभिकरण” से अभिप्रेत है निजी सुरक्षा अभिकरण;

(ग) “नियंत्री पदाधिकारी” से अभिप्रेत है इस अधिनियम के अधीन घोषित नियंत्री पदाधिकारी;

(घ) “फारम” से अभिप्रेत है इस नियमावली के संलग्न फारम;

(ङ) “अनुज्ञप्ति” (लाइसेंस) से अभिप्रेत है इस अधिनियम के अधीन प्रदत्त अनुज्ञप्ति;

(च) इस नियमावली में अपरिभाषित लेकिन अधिनियम में परिभाषित शब्दों एवं अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे जो इस अधिनियम में उनके लिए क्रमशः नियत हैं।

3. नियंत्री प्राधिकार :—निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम 2005 की धारा-3 द्वारा प्रदत्त अधिकार के आलोक में बिहार निजी सुरक्षा अभिकरण नियम 2011 के नियंत्री प्राधिकार संयुक्त सचिव या उनसे उच्च स्तर के पदाधिकारी, गृह विभाग होंगे।

4. अपीलीय प्राधिकार :—निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम 2005 की धारा-14 के आलोक में नियंत्रक प्राधिकार के आदेश के विरुद्ध अपील प्रधान सचिव/सचिव, गृह विभाग, बिहार, पटना के समक्ष किया जा सकेगा। अपील करने की समयावधि अधिनियम के अन्तर्गत प्रावधानों के अनुसार होगी।

5. आवेदकों के पूर्ववृत्त का सत्यापन :—(1) प्रत्येक आवेदक नियंत्री प्राधिकारी को नई अनुज्ञप्ति जारी करने अथवा अनुज्ञप्ति के नवीनीकरण के लिए आवेदन करते समय अपने पूर्ववृत्त के सत्यापन हेतु फारम—I संलग्न करेगा। यदि आवेदक कंपनी, फर्म अथवा व्यक्तियों का संघ हो तो प्रत्येक स्वत्वधारी, बहुसंख्यक शेयर-धारक, भागीदार अथवा कम्पनी के निदेशक आवेदन के साथ फारम— I संलग्न करेंगे मानो कि वे भी आवेदक हैं।

(2) आवेदन प्राप्त होने के पश्चात् नियंत्री पदाधिकारी आवेदन के ब्यौरे तथा आवेदक के संबंध में दिए गए विषय वस्तु का यथोचित सत्यापन तथा जाँच करेंगे।

(3) नियंत्री प्राधिकारी उस जिला के जिला पुलिस अधीक्षक के अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा जहाँ निजी सुरक्षा अभिकरण कार्य संचालित करने जा रही हो। इस प्रयोजन के लिए नियंत्री प्राधिकारी जिला पुलिस अधीक्षक को अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन की प्रति सभी अनुलग्नकों सहित भेजेगा ताकि जिला पुलिस अधीक्षक इनका सत्यापन कर अपना प्रतिवेदन भेज सकें।

(4) जिला पुलिस अधीक्षक प्रत्येक व्यक्ति जिसके नाम पूर्व वृत्त का फारम भरा गया है, के पूर्व वृत्त का सत्यापन कराने के साथ-साथ निम्नलिखित सूचना भी प्रस्तुत करेंगे :-

- (i) क्या आवेदक अथवा कंपनी ने या तो व्यक्तिगत रूप से अथवा अन्य की भागीदारी में किसी निजी सुरक्षा अभिकरण पूर्व में संचालित किया है, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा और
- (ii) क्या आवेदक को निजी सुरक्षा अभिकरण चलाने हेतु कोई विशेष अर्हता, प्रशिक्षण अथवा अनुभव प्राप्त है, जिससे उसे निजी सुरक्षा अभिकरण चलाने में सुविधा मिल सके।

6. निजी सुरक्षा गार्डों एवं पर्यवेक्षकों के आचरण और पूर्ववृत्त का सत्यापन

निजी सुरक्षा अभिकरण का यह कर्तव्य होगा कि किसी सुरक्षागार्ड अथवा पर्यवेक्षक को नियुक्त करने के पूर्व वह निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक माध्यम के अनुसार उस व्यक्ति के चरित्र एवं पूर्ववृत्त का जाँच कर संतुष्ट हो ले :-

- (क) अभिकरण व्यक्ति के आचरण एवं पूर्ववृत्त का सत्यापन स्वयं करे।
- (ख) अभिकरण व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आचरण एवं पूर्ववृत्त प्रमाण-पत्र पर जो विहित है, निर्भर कर सकेगी, बशर्ते वह विधिमान्य हो और अभिकरण के पास किसी अन्य स्रोत से व्यक्ति के चरित्र व पूर्ववृत्त के संबंध में प्रतिकूल रिपोर्ट नहीं हो।
- (ग) जिला पुलिस अधीक्षक अथवा जिला पुलिस अधीक्षक के प्राधिकार के अधीन किसी पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित अथवा समकक्ष अथवा उच्च पद वाले पदाधिकारी से प्राप्त चरित्र तथा पूर्ववृत्त रिपोर्ट पर अभिकरण भरोसा कर सकेगी।

(2) निजी सुरक्षा गार्ड अथवा पर्यवेक्षक के रूप में नियोजित होने अथवा काम पर लगने के लिए इच्छुक व्यक्ति अभिकरण के समक्ष फारम II प्रस्तुत करेगा। यदि व्यक्ति पिछले पाँच वर्षों के दौरान एक से अधिक जिलों में रहा हो तो फारम की संख्या उतनी होगी जितनी जिलों की संख्या होगी।

(3) अभिकरण भरी गई विशिष्टियों की जाँच स्वयं करेगी अथवा संबंधित जिला पुलिस अधीक्षक को फारम भेजकर करवाएगी।

(4) चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन हेतु अभिकरण फारम X में जिला पुलिस अधीक्षक को आवेदन करेगी तथा जिला पुलिस अधीक्षक को उक्त सत्यापन हेतु सेवा शुल्क के रूप में 100 रुपये का भुगतान करेगी। यदि व्यक्ति पिछले पाँच वर्षों में एक से अधिक जिलों में रहा हो तो अभिकरण सभी जिलों को शुल्क अदा करेगी।

(5) पुलिस व्यक्ति की पहचान स्थापित करेगी तथा व्यक्ति जिस इलाके में रहने का दावा किया हो अथवा रह रहा हो का दौरा कर तथा इलाके के गणमान्य निवासियों से उसकी पहचान तथा ख्याति का पता लगाकर उसके आचरण और पूर्ववृत्त को सत्यापित करेगी। चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने के पूर्व वे संबंधित पुलिस स्टेशन का अभिलेख तथा जिला पुलिस मुख्यालय के अभिलेखों को भी देख लेंगे। इस रिपोर्ट में चरित्र एवं पूर्ववृत्त से संबंधित फारम में व्यक्ति द्वारा किए गए प्रत्येक दावा पर पुलिस का मंतव्य होगा तथा सत्यापन अवधि में आजीविका के साधन सहित उसके क्रियाकलापों के बारे में सामान्य रिपोर्ट भी होगा। पुलिस विनिर्दिष्टतः यह उल्लेख भी करेगी कि किसी समय उस व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं हुआ है अथवा उसे कभी कारावास की सजा से दंडनीय अपराध के लिए सिद्धदोष तो ठहराया नहीं गया है।

(6) पुलिस विनिर्दिष्टतः यह मंतव्य देगी कि निजी सुरक्षा अभिकरण द्वारा सत्यापन किए जानेवाले व्यक्ति को काम पर लेने अथवा नियोजित करने से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा तो नहीं होगा।

(7) पुलिस प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि चरित्र एवं पूर्ववृत्त फारम प्राप्ति के नब्बे दिन के भीतर उसका सत्यापन रिपोर्ट निर्गत हो जाय।

(8) व्यक्ति के चरित्र एवं पूर्ववृत्त के संबंध में पुलिस का रिपोर्ट गोपनीय कोटि का होगा। यह चरित्र एवं पूर्ववृत्त के संबंध में अनुरोध करने वाली निजी सुरक्षा अभिकरण के अभिहित पदाधिकारी के नाम से संबोधित लिफाफा में भेजी जाएगी।

(9) चरित्र एवं पूर्ववृत्त का सत्यापन रिपोर्ट एक बार निर्गत हो जाने पर तीन वर्षों तक वैध रहेगी।

(10) पुलिस सत्यापन के आधार पर और अपने सत्यापन के आधार पर निजी अभिकरण फारम III में एक चरित्र प्रमाण-पत्र निर्गत करेगी और यदि वह व्यक्ति अभिकरण का कर्मचारी न रह जाए तो भी यह प्रमाण-पत्र निजी अभिकरण द्वारा वापस नहीं ली जाएगी।

(11) अपने निजी सुरक्षागार्डों एवं पर्यवेक्षकों का चरित्र तथा पूर्ववृत्त प्रमाण-पत्र स्वयं देनेवाली निजी सुरक्षा अभिकरण ऐसे चरित्र तथा पूर्ववृत्त प्रमाण-पत्र के लिए उत्तरदायी होगी। यदि बाद में ऐसे निजी सुरक्षा गार्डों एवं निजी पर्यवेक्षकों के आचरण तथा पूर्ववृत्त संदिग्ध पाए जाते हों तो संबंध सुरक्षा अभिकरण की अनुज्ञप्ति रद्द कर दी

जाएगी, 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा अथवा आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा अथवा उसे दोनों दंड दिया जा सकेगा।

7. प्रशिक्षण।:—(1) नियंत्री प्राधिकारी निजी सुरक्षा गार्डों के प्रशिक्षण के लिए अपेक्षित विस्तृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करेगा। यह प्रशिक्षण कम से कम बीस कार्य दिवसों में न्यूनतम सौ घंटे का कक्षा (क्लास रूम) शिक्षण का तथा साठ घंटे क्षेत्र प्रशिक्षण का होगा। किन्तु भूतपूर्व सैनिकों एवं पूर्व पुलिस कर्मियों को मात्र संक्षिप्त पाठ्यक्रम में ही भाग लेना होगा, जिसमें कम से कम सात दिनों में न्यूनतम चालीस घंटे का कक्षा शिक्षण तथा सोलह घंटे का क्षेत्र प्रशिक्षण होगा।

(2) प्रशिक्षण में निम्नलिखित विषय सम्मिलित होंगे, यथा :—

- (क) लोकाचार और सही वर्दी धारण ;
- (ख) शारीरिक स्वस्थता प्रशिक्षण;
- (ग) शारीरिक सुरक्षा, आस्तियों की सुरक्षा, भवन अथवा अपार्टमेंट की सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, घरेलू सुरक्षा;
- (घ) अग्निशमन;
- (ङ) भीड़ नियंत्रण;
- (च) परिचय—पत्र, पासपोर्ट एवं स्मार्ट कार्ड सहित पहचान—पत्रों की जांच करना;
- (छ) अंग्रेजी वर्णमाला तथा अरबी अंकों को पढ़ने और समझने की समर्थता, जिसका उपयोग पहचान—कागजात, सुरक्षा जांच शीट आदि में सामान्यतः होता है;
- (ज) उन्नत विस्फोटक साधनों की पहचान;
- (झ) प्राथमिक उपचार;
- (ट) संकटकालीन प्रतिक्रिया तथा आपदा प्रबंधन;
- (ठ) सुरक्षात्मक वाहन चालन (बख्तर बंद वाहन चालक के लिए अनिवार्य तथा अन्य के लिए ऐच्छिक);
- (ड) अवर्जित हथियारों और आग्नेयास्त्रों को संभालना एवं उनका प्रचालन (ऐच्छिक);
- (ढ) भारतीय दंड संहिता, निजी सुरक्षा का अधिकार, पुलिस थाना में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया, आयुध अधिनियम (केवल प्रवृत्त धाराएं) विस्फोटक अधिनियम (प्रभावी धाराओं) का प्राथमिक ज्ञान;
- (ण) पुलिस और सैन्य बलों में रैंक के बैज;
- (प) जनता और पुलिस द्वारा उपयोग में लाए जानेवाले विभिन्न प्रकार के आयुधों की पहचान;
- (फ) सुरक्षा उपकरणों एवं साधनों का उपयोग (उदाहरणार्थ, सुरक्षा अलार्म और छानबीन करने के उपकरण) और
- (ब) नेतृत्व और प्रबंधन (केवल पर्यवेक्षकों के लिए)

(3) सभी निजी सुरक्षा अभिकरण अपने निजी सुरक्षा गार्डों/पर्यवेक्षकों को उपर्युक्त कंडिका—5 (2) में वर्णित विषयों का प्रशिक्षण दिलाने हेतु सक्षम प्रशिक्षण संस्थान का चयन स्वयं करेंगे एवं उसका नाम तथा पते का उल्लेख फारम— V के कंडिका—14 में करेंगे, परन्तु वह प्रशिक्षण संस्थान, बिहार में ही अवस्थित होने चाहिए।

(4) नियंत्री प्राधिकारी निजी सुरक्षा अभिकरण के आवेदन—पत्र में उल्लिखित प्रशिक्षण संस्थान में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं तथा प्रशिक्षण देने की उनकी सक्षमता की जांच स्वयं या अपने पदाधिकारियों के माध्यम से कराने के उपरान्त संतुष्ट होने के बाद ही अनुज्ञप्ति निर्गत करेगा।

(5) निजी सुरक्षा गार्ड को सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त करना होगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रत्येक सफल प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण संस्थान अथवा संगठन द्वारा फारम— IV में एक प्रमाण—पत्र दिया जाएगा जो तीन वर्ष की अवधि के लिए मान्य होगा।

(6) सक्षम प्राधिकारी समय—समय पर स्वयं अथवा अपने पदाधिकारियों के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे। सामान्यतः ऐसा निरीक्षण हर वर्ष कम से कम दो बार किया जाएगा।

(7) सभी निजी अभिकरण नियंत्री प्राधिकारी को उसके द्वारा विहित रीति से, सफल प्रशिक्षणार्थियों की सूची समर्पित करेंगी।

8. निजी सुरक्षा गार्डों की शारीरिक योग्यता का मानक।:—(1) कोई व्यक्ति निजी सुरक्षा गार्ड में कार्य करने अथवा नियोजित होने का पात्र तभी होगा जब वह यथा विनिर्दिष्ट निम्नलिखित शारीरिक योग्यता के मानकों को पूरा करता हो :—

- (i) ऊँचाई 160 से. मी. (महिला के लिए 150 से. मी.) ऊँचाई तथा वजन की मानक सारणी के अनुसार वजन, छाती 80 से. मी. फुलाने पर 4 से. मी. अधिक (महिला के लिए छाती की कोई न्यूनतम माप अपेक्षित नहीं)

- (ii) दृष्टिशक्ति—दूर दृष्टि 6/6, निकट दृष्टि 0.6/0.6 शुद्धि के बिना अथवा शुद्धि के साथ, वर्णान्धता से मुक्त, सुरक्षा उपकरण में प्रदर्शित रंग की पहचान करने तथा अंग्रेजी वर्णमाला एवं अरबी अंकों को पढ़ने और समझने में समर्थ हो।
- (iii) घुटने की खटखटाहट (संहृत जानुक) एवं सपाट पैर से मुक्त तथा छह मिनट में एक किलोमीटर दौड़ने में समर्थ हो।
- (iv) श्रवण शक्ति—दोष मुक्त, आवाज तथा सुरक्षा उपकरणों द्वारा बजे खतरे की घंटी को सुनने एवं प्रतिक्रिया दर्शाने में समर्थ हो।
- (v) अभ्यर्थी तलाशी लेने, वस्तुओं का व्यवहार करने तथा आवश्यकता पड़ने पर व्यक्तियों को अवरुद्ध करने के लिए बल प्रयोग करने की दक्षता शक्ति रखता हो।

2. अभ्यर्थी को संक्रामक या छुआछूत वाला रोग न हो। वह ऐसी किसी बीमारी से पीड़ित न हो जिसकी सेवा से बढ़ जाने की संभावना हो अथवा जिसके कारण उसे अस्वस्थ घोषित कर दिया जा सके अथवा जो लोक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो।

3. निजी अभिकरण यह सुनिश्चित करेगी कि उसके लिए कार्य करने वाला निजी सुरक्षा गार्ड की अंतिम शारीरिक जांच के हर बारह महीने के पश्चात् शारीरिक जांच की जाय ताकि उसका शारीरिक मानक प्रवेश के लिए यथाविहित शारीरिक मानक के अनुसार बना रहे।

9. निजी पर्यवेक्षकों के लिए उपबंध :- (1) पन्द्रह से अनधिक निजी सुरक्षा गार्डों के कार्यों के पर्यवेक्षण हेतु एक पर्यवेक्षक होगा।

(2) यदि निजी सुरक्षा गार्ड विभिन्न परिसरों में सुरक्षा कार्य कर रहे हों तथा एक पर्यवेक्षक द्वारा उनके कार्य का पर्यवेक्षण करना व्यवहार्य न हो तो अभिकरण अधिक संख्या में पर्यवेक्षकों को प्रतिनियुक्त करेगी ताकि प्रत्येक छह निजी सुरक्षागार्डों की सहायता, सलाह तथा पर्यवेक्षण के लिए कम से कम एक पर्यवेक्षक उपलब्ध रहे।

10. अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने हेतु आवेदन करने की रीति :-

- (1) अधिनियम की धारा-7 के खंड (1) के अधीन अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु अभिकरण द्वारा नियंत्री प्राधिकारी को हरेक आवेदन पत्र फारम V में विहित प्रारूप में दिया जाएगा।
- (2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट हरेक आवेदन-पत्र के साथ धारा-7 के खंड (3) के अधीन यथाविहित शुल्क का भुगतान नियंत्री प्राधिकारी गृह (विशेष) विभाग, बिहार, पटना के पदनाम में तथा भारतीय स्टेट बैंक, सचिवालय शाखा पटना में भुगतान डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा बैंकर्स चेक लगाया जाएगा।
- (3) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट हरेक आवेदन-पत्र नियंत्री प्राधिकारी को या तो व्यक्तिगत रूप से दिया जाएगा अथवा उन्हें निर्बाधित डाक से भेजा जाएगा।
- (4) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन-पत्र प्राप्त होने पर नियंत्री प्राधिकारी उस पर प्राप्ति तारीख अंकित करने के बाद आवेदक को पावती देगा।

11. अनुज्ञप्ति की स्वीकृति :- (1) नियंत्री प्राधिकारी नियम 8 के उप नियम (1) के अधीन आवेदन-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् सारी औपचारिकताओं को पूरा करने तथा आवेदक की उपयुक्तता तथा आवेदित क्षेत्र में कार्य करने हेतु अनुज्ञप्ति स्वीकृत करने की आवश्यकता के बारे में अपना समाधान कर लेने के पश्चात् निजी सुरक्षा अभिकरण को फारम- IV में अनुज्ञप्ति प्रदान करेगा।

प्रारंभ में अनुज्ञप्ति 3 वर्षों के लिए वैध होगी।

(2) नियंत्री प्राधिकारी किसी निजी सुरक्षा अभिकरण के निजी सुरक्षा गार्डों एवं पर्यवेक्षकों को दिए गए प्रशिक्षण एवं हुनर का सत्यापन स्वयं अथवा अपने पदाधिकारियों के माध्यम से कर सकेगा।

(3) नियंत्री प्राधिकारी ऐसी सुरक्षा अभिकरण जिसने अपेक्षित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने की शर्तों का पालन नहीं किया हो कि अनुज्ञप्ति को जारी रखने अथवा अन्यथा की समीक्षा कर सकेगा।

यदि भविष्य में यह पाया जाता हो कि सुरक्षा अभिकरण ने अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने एवं उसके जारी रखने की शर्तों का पालन नहीं किया है तो नियंत्री प्राधिकारी अनुज्ञप्ति रद्द कर देगा।

12. अनुज्ञप्ति प्रदान करने की शर्त :- (1) अनुज्ञप्तिधारी नियंत्री प्राधिकारी द्वारा यथा विहित निजी सुरक्षा सेवा से संबंधित प्रशिक्षण नियत समय सीमा के अंतर्गत प्राप्त करेगा।

(2) अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के 15 दिनों के अंदर निजी अभिकरण बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, स्थायी पता, पत्राचार का पता तथा मुख्य पेशा, नियंत्री प्राधिकारी को सूचित करेगा।

(3) अनुज्ञप्तिधारी निजी अभिकरण बनाने वाले व्यक्तियों के पता में किसी परिवर्तन, प्रबंधन में परिवर्तन की सूचना ऐसे परिवर्तन के सात दिनों के अंदर नियंत्री प्राधिकारी को देगा।

(4) अनुज्ञप्तिधारी निजी अभिकरण बनाने वाले व्यक्तियों अथवा निजी अभिकरण द्वारा रखे गये अथवा नियोजित निजी सुरक्षा गार्ड अथवा पर्यवेक्षक के विरुद्ध निजी सुरक्षा अभिकरण के रूप में कर्तव्यों के संपादन के दौरान लगाए गए किसी आपराधिक आरोप की सूचना नियंत्री प्राधिकारी को तुरत देगा। ऐसी संसूचना की एक प्रति उस पुलिस थाने के प्रभारी पदाधिकारी को भी भेजी जाएगी जहां आरोपित व्यक्ति रहता हो।

(5) हरेक अनुज्ञप्तिधारी निजी सुरक्षा गार्डों के लिए इस नियमावली में यथाविहित उन शारीरिक मानकों एवं उनके प्रशिक्षण की अपेक्षाओं का पालन करेगा जिनपर अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है।

(6) ऐसे निजी गार्ड बिना हथियार के या अनुज्ञप्त हथियार लेकर चल सकते हैं। हथियार की अनुज्ञप्ति गार्ड के नाम से निर्गत होना अनिवार्य होगा।

(7) इस नियमावली में यथा उपबंधित के सिवाय अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए संदत शुल्क लौटाया नहीं जाएगा।

13. अनुज्ञप्ति का नवीकरण :—(1) हरेक निजी अभिकरण अनुज्ञप्ति के नवीकरण हेतु नियंत्री प्राधिकारी को आवेदन करेगा।

(2) अनुज्ञप्ति नवीकरण हेतु प्रभार्य शुल्क वही होगा जो उसकी स्वीकृति के लिए प्रभार्य है।

14. अनुज्ञप्ति नवीकरण की शर्तें :—अनुज्ञप्ति का नवीकरण निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जाएगा:—

(i) आवेदक अपने कारोबार का मुख्य स्थान नियंत्री प्राधिकार के क्षेत्राधिकार में बनाए रखे।

(ii) आवेदक अधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (2) के अधीन अपने निजी सुरक्षा गार्डों एवं पर्यवेक्षकों के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण की उपलब्धता सुनिश्चित करना जारी रखे।

(iii) आवेदक हमेशा अनुज्ञप्ति की शर्तों का पालन करता रहे।

(iv) आवेदक को अनुज्ञप्ति के नवीकरण में पुलिस को कोई आपत्ति न हो।

(v) अनुज्ञप्ति नवीकरण का आवेदन का फारम वही होगा जो मूल अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन का फारम है।

15. अपील और प्रक्रिया :—(1) अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (1) के अधीन हरेक अपील व्यथित व्यक्ति अथवा उसके प्राधिकृत अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित कर फार्म—VIII में की जाएगी और प्राधिकृत पदाधिकारी को स्वयं दी जाएगी अथवा रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजी जाएगी।

(2) अधिनियम की धारा-14 के अधीन व्यथित व्यक्ति अपील के लिए अपीलीय प्राधिकारी को शुल्क के रूप में 500 रुपया की राशि का भुगतान अपीलीय प्राधिकारी के नाम से भुगतने बैंक ड्राफ्ट द्वारा करेगा।

16. अभिकरण द्वारा संधारित किया जानेवाला रजिस्टर—अधिनियम के अधीन अभिकरण द्वारा संधारित करने के लिए अपेक्षित रजिस्टर फारम viii में होगा।

17. फोटो पहचान पत्र :—(1) निजी अभिकरण द्वारा धारा-17 की उप-धारा (2) के अधीन निर्गत हरेक फोटो पहचान-पत्र फारम IX में होगा और यह आवरणरोधी होगा।

(2) फोटो पहचान-पत्र पर निजी सुरक्षा गार्ड के पूरे चेहरे की रंगीन तस्वीर, पूरा नाम, अभिकरण का नाम तथा जिस व्यक्ति को फोटो पहचान-पत्र जारी किया जाता हो उसकी पहचान संख्या होगी।

(3) फोटो पहचान-पत्र निजी अभिकरण में व्यक्ति की हैसियत तथा फोटो पहचान-पत्र की विधि मान्यता की तारीख को स्पष्ट रूप से इंगित करेगा।

(4) फोटो पहचान-पत्र अद्यतन रखा जाएगा तथा विशिष्टियों में किसी प्रकार के परिवर्तन को उसमें दर्ज किया जाएगा।

(5) निजी सुरक्षा गार्ड को निर्गत फोटो पहचान-पत्र इसे निर्गत करनेवाली अभिकरण में, यदि निजी सुरक्षा गार्ड काम पर न रह जाए अथवा नियोजित नहीं रह जाता हो तो उसे लौटा दिया जाएगा।

(6) फोटो पहचान-पत्र के गुम हो जाने अथवा चोरी हो जाने पर उसकी सूचना तुरत निर्गत करनेवाली निजी अभिकरण को दी जाएगी।

18. अन्य शर्तें :—(1) अपने निजी सुरक्षा गार्डों को कार्य के समय वर्दी पहनने के लिए निजी अभिकरण का आदेश हो अथवा नहीं, प्रत्येक निजी सुरक्षा अभिकरण अपने सुरक्षा गार्डों को निम्नलिखित वस्तुएं देगी और उनके लिए यह बाध्यकारी बनाएगी कि वे निम्नलिखित पहनें :—

(क) अभिकरण की पहचान का बाजूबंद बैज;

(ख) संगठन में उसकी हैसियत दर्शानेवाला कंधा अथवा छाती पर लगाया जानेवाला बैज;

(ग) डोरी से बंधी सीटी जो बायीं जेब में रखी जाएगी;

(घ) फीतेवाले जूते;

(ङ) टोपी जिसमें अभिकरण का पहचान चिह्न भी हो;

(च) वर्दी का रंग और बैज ऐसा होगा कि वह सशस्त्र बलों, केन्द्रीय पुलिस अथवा राज्य पुलिस द्वारा पहनी जानेवाली वर्दी से मेल न खाए।

(2) सक्रिय कर्तव्य के समय निजी सुरक्षा गार्ड द्वारा पहनी जानेवाली वर्दी ऐसी हो कि उससे उसके कुशल कार्य संपादन में बाधा न हो। खासतौर पर वे न तो अधिक चुस्त हों और न अधिक ढीले जिससे कि अंगों के संचालन अथवा मोड़ने में बाधा हो।

- (3) हरेक निजी सुरक्षा गार्ड अपने साथ एक नोटबुक तथा लेखनी रखेगा।
 (4) हरेक निजी सुरक्षा गार्ड सक्रिया सुरक्षा कार्य करते समय अपने कमर के ऊपर धारा-17 के अधीन निर्गत फोटो पहचान-पत्र सहज दृश्य रूप में लगाकर प्रदर्शित करेगा।

(सं० जी०/विविध-14/2005-13950)
 बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
 सुनील कुमार,
 सरकार के विशेष सचिव।

22 सितम्बर 2011

एस०ओ० 398, एस०ओ० 397 दिनांक 17 नवम्बर 2011 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा पारित किया जाता है जो भारत के संविधान के अनुच्छेद-348 के खण्ड-3 के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

(सं० जी०/विविध-14/2005-13950)
 बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
 सुनील कुमार,
 सरकार के विशेष सचिव।

The 22nd September 2011

S.O. 397, dated 17th November 2011—In exercise of powers conferred by Section 25 of The Private Security Agencies (Regulation) Act, 2005 (Act-29 of 2005, Government of India), Government of Bihar, hereby, makes the following rules to regulate the Private Security Agencies in the state of Bihar:-

1. *Short Title And Commencement*—(1) These rules may be called the Bihar Private Security Agencies Rules, 2011.

(2) They will come into force from the date of their publication in the official gazette.

2. *Definition*.—In these Rules, unless the context otherwise requires:—

- (a) 'Act' means the Private Security Agencies (Regulation) Act- 2005.
- (b) 'Agency' means the Private Security Agency;
- (c) 'Controlling Authority' means, the controlling Authority so declared under the Act;
- (d) 'Form' means a form appended to these Rules;
- (e) 'Licence' means a licence granted under the Act;
- (f) Words and expressions not defined in these rules but defined in the Act, shall have the same meaning respectively assigned to them in the Act.

3. *Controlling Authority*.—An officer in the rank of a Joint Secretary or above of the Home Department shall be the controlling Authority under the Bihar Private Security Agencies Rules 2011 in the light of the power delegated vide Section 3 of the Private Security Agencies (Regulation) Act 2005.

4. *Appellate Authority*.—The appeal against the order of the Controlling Authority shall be made to the Principal Secretary/Secretary, Home Department in the light of section 14 of the Private Security Agencies Act 2005. The time limit for making appeal shall be in accordance with the provisions of the Act itself.

5. *Verification of Antecedents of Applicants*.—(1) Every applicant while making an application to the Controlling Authority for the issue of a fresh licence or renewal shall enclose the Form-1 for verification of his antecedents. If the applicant is a company, a firm or an association of persons, the application shall be accompanied by Form-1 for every proprietor, majority share holder, partner or director of company, as if they were also the applicants.

(2) On receipt of such application the Controlling Authority shall make such inquiries, as it considers necessary, to verify the contents of the application and the particulars of the applicant.

(3) The Controlling Authority shall obtain a no objection certificate from the District Superintendent of Police of the concerned District where the Agency intends to commence its activities. For this purpose, a copy of the application for licence and its attachments shall be sent to the concerned Districts Superintendent of Police, for verification and report.

(4) The District Superintendent of Police, in addition to the causing of verification of antecedents of every individual in whose name the antecedent form is filled up, shall also furnish the following information :-

- (i) Whether the applicant or the company earlier operated any Private Security Agency, either individually or in partnership with others and if so, the details thereof, and
- (ii) Whether the applicant possesses any special qualification or skill, which may facilitate his operations of Private Security Agency.

6. *Verification of Character and Antecedent of Personal Security Guards And Supervisors.*—(1) Before any person is employed or engaged as a Private Security Guard or supervisor, the Agency shall satisfy itself about the character and antecedents of such person in any one or more of the following manners :-

- (a) By verifying the character and antecedent of the person by itself.
- (b) by relying upon the character and antecedent verification certificate produced by the person, as prescribed hereinunder produced by the person provided it is valid and the Private Agency does not have any adverse report regarding the persons character and antecedents from any other source.”
- (c) By relying on the report received from the District Superintendent of Police or an officer signed under the authority of District Superintendent of Police or an officer of the equivalent or higher rank.

(2) The person desirous of getting employed or engaged as Private security Guard or supervisor shall submit Form-II to the Agency. If the person has stayed in more than one district during the last five years, the number of forms will be as many as the number of districts.

(3) The Agency shall cause an inquiry conducted about the correctness of the particulars filled in either by itself or by sending the form to the respective District Superintendent of Police.

(4) For the verification of character and antecedent, the Private Agency will apply to the District Superintendent of the Police in Form-X and will pay an amount of Rs. 100/- as service charge of the above verification to the District Superintendent of Police. If the person has stayed in more than one district during the last five years, the Private Agency will pay fee to all districts.

(5) The Police will establish identity of the individual and verify the character and antecedents of the person by making a visit to the locality where the person claims to have resided or is residing and ascertain his identity and reputation from the respectable residents of the locality. They will also consult the records of the Police Station concerned and other records at the District Police Headquarter before preparing the character and antecedent verification report. This report will contain the comments of the Police on every claim of the person in character and antecedent form and also a general report about his activities including means of livelihood in the period of verification. The Police will specifically state, if there is a criminal case registered against the person at any point of time or if he has ever been convicted of criminal offence punishable with imprisonment.

(6) The police will specifically comment if the engaging or employing the person under verification by the private security Agency will pose a threat to national security.

(7) The police authorities shall ensure that character and antecedent verification report is issued within ninety days of the receipt of character and antecedent form.

(8) The report of the police regarding character and antecedent of person will be graded as confidential. It will be addressed in named cover to a designated officer of the Private Security Agency requesting for character and antecedents.

(9) Character and antecedent's verification report, once issued, will remain valid for three years.

(10) On the basis of police verification and on the basis of their own verification, the Private agency shall issue in Form-III a character certificate and this certificate will not be taken back by such Private Agency even if the person ceases to be the employee of the Private Agency.

(11) Those Private Security Agencies who are themselves giving certificate of character and antecedent to their Private Security Guards and supervisors, shall be responsible for such certificate of character and antecedent. If the character and antecedent of such Private Security Guards and supervisors are found doubtful later on, the licence of the concerned security Agency shall be cancelled, a fine of Rs. 50,000/- shall be imposed or a criminal case shall be instituted or both the punishment may be given to it.

7. *Training.*— (1) The Controlling Authority shall frame the detailed training syllabus required for training the Private Security Guards. This training shall be for a minimum period of hundred hours of classroom instructions and sixty hours of field training, spread over at least twenty working days. The ex-servicemen and former Police personnel shall however be required to attend a condensed course only, of minimum forty hours of class-room instructions and sixteen hours of field training, spread over at least seven working days.

(2) The training will include the following subjects, namely:-

- (a) Conduct in public and correct way of wearing of uniform;
- (b) Physical fitness training;
- (c) Physical security, security of the assets, security of the building or apartment, personnel security, house hold security;
- (d) Fire fighting;
- (e) Crowd control;
- (f) Examining identification papers including identity cards, passports and smart cards;
- (g) Reading and understanding English alphabets and Arabic numerals as normally recorded in the identification documents and security inspection sheet etc;
- (h) Identification of improvised explosive devices;
- (i) First-Aid;
- (j) Crisis response and disasters management;
- (k) Defensive driving (compulsory for the driver of Armoured vehicle and optional for others);
- (l) Handling and operation of non-prohibited weapons and fire arms (optional);

- (m) Rudimentary knowledge of Indian Penal Code, right to private defense, procedure for lodging first information report in the Police Station, Arms Act (only operative sections), Explosives Act (operative sections);
- (n) Badges of rank in Police and military forces;
- (o) Identification of different types of arms in use in public and Police;
- (p) Use of security equipment and devices (For example security alarms and screening equipments); and
- (q) Leadership and management (for supervisors only).

(3) All the Private Security Agencies shall select appropriate training institution themselves as per the training prescribed in Rule 5(2) and furnish names and address in clause-14 of form-(V). The training institution must be situated within the State of Bihar.

(4) The controlling authority shall issue licence after being satisfied about their capability and available training facilities as mentioned by the Private Security Agency in application form.

(5) The private security guard will have to successfully undergo the training prescribed by the Competent Authority. On completion of training each successful trainee will be awarded a certificate in Form-IV by the training institute or organization, which shall be valid for a period of three years.

(6) The Competent Authority will inspect the functioning of training facility from time to time either by itself or through its own officers. Normally such inspection will be conducted at least two times every year.

(7) All the private agencies shall submit a list of successful trainees to the controlling Authority in the manner prescribed by it.

8. *Standard of Physical Fitness for Private Security Guards.*—(1) A person shall be eligible for being engaged or employed as private security guard if he fulfils the standards of physical fitness as specified below:—

- (i) Height 160 cms. (For Female 150cms), weight according to standard table of height and weight, chest 80 cms. with an expansion of 4 cms (for females no minimum requirement for chest measurement).
- (ii) Eye-sight-far sight vision 6/6, near vision 0.6/0.6 with or without correction, free from colour blindness should be able to identify and distinguish colour display in security equipments and read and understand display in English alphabets and Arabic numerals.
- (iii) Free from knock knee and flat foot and should be able to run one kilometer in six minutes.
- (iv) Hearing- free from defect, should be able to hear and respond to the spoken voice and the alarms generated by security equipments;
- (v) The candidate should have dexterity and strength to perform searches, handle objects and use force for restraining the individuals in case of need.

(2) A candidate should be free from any contagious or infectious disease. He should not be suffering from any disease which is likely to be aggravated by service or is likely to render him unfit for service or endanger the health of the public.

(3) Agency shall ensure that every private security guard working for it undergoes a medical examination after every twelve months from his last such examination so as to ensure his continued maintainance of physical standard as prescribed for the entry level.

9. *Provision for Supervisors.*—(1) There shall be one supervisor to supervise the work of not more than fifteen private security guards.

(2) In case the private security guards are on security duty in different premises and it is not practicable to supervise their work by one supervisor, the private Agency shall depute more number of supervisors so that at least for every six private security guards there is one supervisor available for assistance, advice and supervision.

10. *Manner of Making Application for Grant of Licence.*—(1) Every application by an Agency for the grant of licence under clause (i) of section 7 of the Act, shall be made to the controlling Authority in the format prescribed in Form-V.

(2) Every application referred to in sub-rule (i) shall be accompanied by a demand draft or bankers cheque showing the payment of fees as prescribed under clause (3) of section 7, payable to Controlling authority The Home (Special) Department, Bihar, Patna and payable at State Bank of India, Secretariat Branch, Patna.

(3) Every application referred to in sub-rule (i), shall be either personally delivered to the Controlling Authority or sent to him by registered post.

(4) On receipt of the application referred in sub-rule(i), the Controlling Authority shall after noting thereon the date of receipt by him of the application, grant an acknowledgement to the applicant.

11. *Grant of Licence.*—(1) The controlling Authority, after receiving an application under sub-rule (i) of rule-8 shall grant a licence to the Private Security Agency in Form-VI, after completing all the formalities and satisfying itself about the suitabilities of the applicant and also the need for granting the licence for the area of operation applied for.

The licence will be valid for 3 years.

(2) The Controlling Authority either by itself or through its officers may verify the training and skills imparted to the Private Security Guards and supervisors of any Private Security Agency.

(3) The Controlling Authority may review the continuation or otherwise of licence of such private security agencies which may not have adhered to the conditions of ensuring the required training.

If found in future that the private security Agencies is not adhering to the conditions for grant licence and its continuance, the controlling Authority shall cancel the licence.

12. *Conditions for Grant of Licence.*—(1) The licensee shall successfully undergo a training relating to the Private Security Services as prescribed by the Controlling Authority within the time frame fixed by it.

(2) The licensee shall intimate the name, parentage, date of birth, permanent address, address for correspondence and the principal profession of each person forming the agency within fifteen days of receipt of the licence to the Controlling Authority.

(3) The licensee shall inform the Controlling Authority regarding any change in the address of persons forming the agency, change of management within seven days of such change.

(4) The licensee shall immediately intimate to the Controlling Authority about any criminal charge, framed against the persons forming the private Agency or against the private security guard or supervisor engaged or employed by the Agency, in course of their performance of duties as private security agency. A copy of such communication shall also be sent to the officer-in-charge of the Police Station where the person charged against resides.

(5) Every licensee shall abide by the requirements of physical standards for the private security guards and their training as prescribed in these rules as the condition on which the licence is granted.

(6) Such private guard may be unarmed or carry licensed weapon as the situation warrants. The licensed weapon to be carried by the private guard must be issued in his name.

(7) Save as provided in these rules, the fees paid for the grant of licence shall be non-refundable.

13. *Renewal of Licence.*—(1) Every Private Agency shall apply to the Controlling Authority for renewal of the licence.

(2) The fees chargeable and procedure for renewal of licence shall be same as for the grant thereof.

(3) The renewal of license shall be for a period of three years.

14. *Condition for Renewal of Licence.*—The renewal of the licence will be granted subject to the following conditions:-

- (i) The applicant continues to maintain his principal place of business in the Jurisdiction of the Controlling Authority.
- (ii) The applicant continues to ensure the availability of the training for its private security guards and supervisors required under sub-section (2) of Section-5 of the Act.
- (iii) The applicant continues to adhere to the licence conditions.
- (iv) The Police have no objection to the renewal of the licence to the applicant.
- (v) The form for application of renewal of licence will be same as the form for the application for original licence.

15. *Appeals and Procedure.*—(1) Every appeal under sub-section (1) of section 14 of the Act shall be preferred in form-VII signed by the aggrieved person or his authorised advocate and presented to the appellate officer in person or sent to him by registered post.

(2) For appeal under section-14 of the Act the aggrieved person will pay an amount of Rs. 500 as fee to the Appellate Authority through a Bank Draft to the Appellate Authority.

16. *Register to be Maintained by The Private Agency.*—The register required to be maintained under the Act by the Private Agency shall be in Form-VIII.

17. *Photo Identity Card.*—(1) Every photo identity card issued by the Private Security Agency under sub-section (2) of section-17 shall be in Form-IX and should be tamperproof.

(2) The photo identity card shall convey a full-face image in colour, full name of private security guard, name of the private Agency and identification number of the individual to whom the photo identity card is issued.

(3) The photo identity card shall clearly indicate the individual's position in the Private Agency and the date upto which the photo identity card is valid.

(4) The photo identity card shall be maintained up to date and any change in the particulars shall be entered therein.

(5) The photo identity card issued to the private security Guard will be returned to the private Agency issuing it, once the private security guard is no longer engaged or employed by it.

(6) Any loss or theft of photo identity card will be immediately brought to the notice of the private Agency that issued it.

18. *Other Conditions.*—(1) Notwithstanding whether the Agency mandates its private security guards to put on uniform while on duty or not, every private security agency will issue and make it obligatory for its security guards to put on-

- (a) An arm badge distinguishing the Agency.

- (b) Shoulder or chest badge to indicate his position in the organization.
- (c) Whistle attached to the whistle cord and to be kept in the left pocket;
- (d) Shoes with eyelet and laces.
- (e) A headgear which may also carry the distinguishing mark of the Agency;
- (f) The uniform colour and badges should be such that it does not resemble those worn by Armed Forces, Central police organizations or State Police.

(2) The clothes worn by the Private Security Guard while on active duty shall be such that they do not hamper his efficient performance. In particular they will neither be too tight nor too loose as to obstruct movement or bending of limbs.

(3) Every private security guard will carry a notebook and a writing instrument with him.

(4) Every private security guard while on active security duty will wear and display photo identity card issued under section 17 of the Act, on the outer most garment above waist level on his person in a conspicuous manner.

(सं० जी० / विविध-14 / 2005-13950)

By order of the Governor of Bihar,

SUNIL KUMAR,

Special Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 668-571+500-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>